Code No. 17

नशा - युवा पीढ़ी के अभिशाप

विद्यार्थी जीवित मनुष्य-जीवन के एक वसंत काल हैं। यहाँ से ही उनके चरित्र के निर्माण होते हैं। विद्यार्थियों को अच्छे रास्ते में जा सकते हैं और बुराईयों के रास्ते में भी जा सकते हैं। शिक्षा का लक्ष्य सिर्फ ज्ञानार्जन करना नहीं है। शिक्षा से ही हम एक मनुष्य बनता हैं। शिक्षा के काल हम उसे सदुपयोग किये तो हमें हमारा जीवन लक्ष्य को पूरी कर सकते हैं। हम एक इंसान बनूँगी। लेकिन हमारे सामने बुराईयों की रास्ता भी हैं। आज के युग विज्ञान का युग है। विज्ञान को गुण और दोष भी हैं। यहाँ हमें बुरे रास्ते में ले जाने कैलिए कई तरह के चीजें हैं। हमारे समाज के बुरे वश में जाने कैलिए हमें कई अधिक चीज़ें निरंतर प्रोत्साहन कर रहे हैं। इस अवसर पर सच्चाई के रास्ते में चलना बहुत मुश्किल होगी। नशा नई पीढ़ी कैलिए एक अभिशाप हैं। नई पीढ़ी को सफलता प्राप्त करने में कई समस्यों को सामना करना पड़ेगा। इसपर नशा एक बड़ी समस्या हैं।

विद्यार्थियों के सामने दो मार्ग हैं। एक सच्चाई का मार्ग और दूसरा बुराई के मार्ग। हमारा जन्म लक्ष्य मोक्ष प्राप्त करना का हैं। लेकिन इस कैलिए हमें

2
OFFICE OF THE DISTRICT EDUCATIONAL O... VATAP...

सच्चाई के मार्ग में चलना पड़ेगा। लेकिन आज यह बहुत मुश्किल के बात है। नई पीढ़ी को अपने मार्ग में कई समस्यों को सामना करना पड़ती है। यह एक कठिन के बात है। यह कठिन होने के कारण वे सदा बुराई के रास्ते में जा रही है। बुराई के रास्ते में जाना बहुत आसान है।.

विद्यार्थियों का पहला अध्ययन का स्थान घर है। कई मूल्यों को वे वहाँ से ही सीखते हैं। अपने माँ और पिता से ही कुछ बातों वह सिखाते है। यह अवसर को सदुपयोग करे तो वे कभी भी बुरे रास्ते में नहीं जाता है। उसके बाद उसे समाज में जाना पड़ेगा। समाज केलिए अच्छे और बुरे रास्ते है। वह भी उसे सामना करना पड़ेगा। नशा जैसे शील उसे समाज में मिलती। क्योंकि समाज में कई तरह के लोग रहते हैं। आज के ज़माने के लोग स्वार्थ है। इसके कारण वह दूसरों केअच्छा काम नहीं बल्की उसका नाश करने के काम करती है। उन लोगों बच्चों की भविष्य को नरक बनने केलिए कई काम करते है। उसपर प्रधान है नशा। यह वस्तु एक बार उपयोग करने पर उसको छोड़ना असंभव बनेगी। अपने परिवार में बच्चों को सच्चे प्यार नहीं मिले तो उसका जन्म अंधकार होगी। क्योंकि इसके कारण ~~से~~ ही वे समाज के बुरे वश में

जा रही है। अकेले होने पर वह यही चाहते हैं कि किसीके साथ मित्रता बनना और वह प्यार चाहते हैं। बुरे लोग उसे बुरे प्यार देकर उसे अपने वश में लाती है। तब विद्यार्थी बहुत संतुष्ट होगा। क्योंकि उनके दुख देखने के लिए किसी व्यक्ति है। लेकिन बुरे लोग उसे नशा जैसे विष वस्तुओं उसे देती हैं और उसे पूरी तरह से अंधकार में लाती है। धन कमाने के लिए ही वह लोग इस तरह कर रही है। आज के लोगों को परिश्रम करके कुछ भी नहीं कर सकते। उसे यही सोच है कि किसी तरह से ही, कुछ मेहनत न करके धन कमाना। इस सोच ने उन लोगों को बुरे काम करने की प्रेरणा देती है।

आज के स्थिति फिर भी बदल गयी है। आज स्कूलों के परिसर में ही इस तरह के नशे उत्पन्न को भेजती है। स्कूली बच्चों को किसी प्रकार यह खरीदने के लिए वह लोगों सब कुछ कर रहे है। आज मिठाईयों में भी इस तरह के चीज़े है। स्कूल छोडने के बाद वह वह बच्चों यह चीज़ें खरीदकर खाते है। वह जानते नहीं कि यह विष है और यह खाने पर अपना जीवन में अंधकार ही होगा। एक बार खाने पर ही उनपर यह अगले बार खाने

की इच्छा आती है। इसके लिए वह अपने पैसों को भी दे देते हैं। अपने मित्रों को भी यह देते हैं। इस तरह कई विद्यार्थी के जीवन में अंधकार आते हैं।

आज के हालात ऐसे हैं। बच्चों के जीवन को पूरी तरह से ये नाश करती है। नई पीढ़ी को किसी के बारे में सुनने की क्षमता नहीं है। उसे भविष्य के बारे में कुछ भी प्रतीक्षा नहीं है। उनको भविष्य के बारे में कुछ सोच नहीं। इनके नाश जल्दी से हो जाते हैं। इसके कारण वह सब बुराइयों से गिर जाती है। नई पीढ़ी पुराने जमाने के जैसा बिलकुल नहीं है। पुराने जमाने के लोग बहुत जागृता से हो रहा। पुराने जमाने में इस तरह की समस्या नहीं थी। उन लोगों परिश्रमी है और मेहनत करके ही भोजन खाया है। लेकिन आज ऐसा नहीं है। अगर किसी व्यक्ति नई पीढ़ी के बच्चों को पैसा दिया तो वह सारे बुरे काम करने के लिए तैयार है। ऐसे होने के कारण है नशा युवा पीढ़ी का अभिशाप बन गया है।

विद्यार्थी कल का नाश है और देश के भावी उनके हाथों में है। देश के विकास के लिए

Code No. 19

उनके बदद बहुत जरूरी है। इसलिए बच्चों को अच्छा शिक्षा देनी है। शिक्षा से ही वह एक इंसान बनता है और उनके चरित्र के निर्माण होते हैं। मतलब यह है कि शिक्षा काल का सदुपयोग करना चाहिए। नई पीढ़ी स्कूल में अपने माँ और पिता के दबाव से है। स्कूल में जाने के उनके लक्ष्य अच्छे चीजों को पढ़ना नहीं है। लेकिन अपने मित्रों के साथ, अपने शौक को, अपने इच्छा के अनुसार, खुशी से आगे बढ़ने के लिए है। उनको कोई और चीजों के बारे में सोच नहीं है। इसलिए वह बुराई के रास्ते में गिर रहे हैं।

नशा से नई पीढ़ी के जन्म अपूर्ण होता है। बच्चों के जवानी पूरी तरह से नष्ट हो रही है। हम इस धरती पर जन्म लेने के लिए कोई खास कारण है। इसमें कुछ कर्मों और धर्मों हैं। यह पूरी करने के लिए हमें कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। हमारे समाज नशाड़ियों है। अपने परिवार में भी होगा। हम उसको नकल उतारने के लिए नहीं उनको सही बात को समझाने की कोशिश करना चाहिए। क्योंकि हम कल का नाम हैं। नई पीढ़ी को अपने स्वास्थ्य के बारे में कोई चिंता नहीं।

नई पीढी को अच्छे बात को सिखाने केलिए आज बहुत अधिक परिश्रम हो रही है। स्कूलों में इसकेलिए कई कार्य चल रही है। पाठ पुस्तकों में नशा के दुरुपयोग के बारे में व्यक्त की गई है। बच्चों सही कार्य दिखाना है उनके लक्ष्य।

हमारे सरकार को भी नशा के बारे में समझ गयी। अगर समाचार पत्र देखें तो सबको समझ सकते हैं कि नशा का दोष क्या क्या है। इसलिए हमारे सरकार ने यह सब के अंत करने केलिए निरंतर कोशिश करती है।

नशा से हम कुछ नहीं मिलती। लेकिन भी हम हानिकार वस्तुओं को उपयोग कर रहे हैं। यह इस युग का एक वर्णन है। नशा जैसे हानिकार चीज़ों को पीकर लोग आज क्या क्या कर रही है। यह पीकर गाडी चलाकर हमेंको हमारा जान को नष्ट हो रही है। कानून है कि ऐसा करना नहीं। लेकिन नई पीढ़ी के लोग कानून को नहीं मानते है। नई पीढी के जीवन की रक्षा केलिए ही ऐसी कानून को तैयार किया। लेकिन यह एक मज़े के बात मानकर वह इसके विरुद्ध काम करती है। यह पीते वक्त हमें हमारा बोध नष्ट होती है। इसके कारण हमें नहीं कह सकती कि हम क्या कर रही है।

आज के समाचार पत्र लेकर देखें तो हमें समझ सकते हैं कि कई अधिक मार्डर होने के कारण यह नशा है। पहले कहा था कि हमारे बोध नष्ट हो रही है यह पीकर। हमें जानती नहीं है कि हम क्या कर रही है। इसके कारण ~~हमें कुछ~~ अगर हम किसीको हत्या करने केलिए सोचा तो हम यह करती है। हमें तब जानती नहीं कि यह एक बुरे काम है। स्त्रीयों को अपमान करने के कारण भी यह है। ~~एक नशेड़ि स्त्री को देखकर के~~ आज बहुत अधिक बलात्कार चल रही है। यह अबोधावस्था में करती है। इस तरह नशा हमारे देश को पूरी तरह से बदलती है। मनुष्य को मनुष्य की तरह देखना बहुत ज़रूरी है। इसकेलिए हमें हमारे आँखों और मन को खोलकर रखना है। नशा हमारे पूरी देश को नाश करेंगी। भविष्य नई पीढी के होथों में है। हमारे देश के शांति और सुरक्षा केलिए नई पीढी को अच्छा बनना है।

मलयालम भाषा के पिता एष़ुत्तच्छन ने कहा कि "हमें जीवन की लक्ष्य को पूर्ती करने केलिए हमें ध्यान से शिक्षा प्राप्त करना है"। नई पीढी को सच्चाई के मार्ग में चलने केलिए अच्छा शिक्षा प्राप्त करना बहुत ज़रूरी है।

code no - 12.

हमारा लक्ष्य पूर्ती करना बहुत ज़रूरी है। ।शिक्षा का सदुपयोग करके जीना है। हमारे देश के विकास केलिए हमें बहुत अधिक काम करने केलिए है। यह पूरी करने केलिए नशा के तरह की कुँआ में गिरना नहीं है। बहुत जाग्रता से जीना है। आज के युग में जीना मुश्किल है। लेकिन शिक्षा से हमें सफलता प्राप्त कर सकता है।

आज हमें जो करना है यह है ध्यान से शिक्षा प्राप्त करना।.